डेटा एंबेसी

[स्रोत: लाइव](#) मिंट

भारत में **संयुक्त अरब अमीरात के पहले डेटा एंबेसी (Data Embassies)** की स्थापना पर भारत द्वारा अग्रिम रूप से चर्चा की जा रही है, तथा अनुमान है कि **भारत में पहला संभावित डेटा एंबेसी आंध्र प्रदेश** में स्थापित किया जाएगा।

- इससे राष्ट्रों को **अपने संप्रभु डेटा की एक प्रति संग्रहीत करने** तथा उस पर नियंत्रण बनाए रखने में सहायता मिलेगी।
    - यह **प्राकृतिक आपदाओं या भू-राजनीतिक अशांति** के मामलों में **डेटा निरंतरता** सुनिश्चित करेगा।
- भारत डेटा केंद्रों के लिये **विशेष रणनीतिक क्षेत्र स्थापित करने की योजना बना रहा है, जहाँ कई देशों के लिये संप्रभु डेटा** भंडारण की व्यवस्था होगी।
- वे वाणिज्य दूतावास प्रभागों की तरह ही कार्य करेंगे, जिसमें भारत **बुनियादी ढाँचे का निर्माण** करेगा तथा दूतावास डेटा प्रबंधन, पहुँच और गोपनीयता को नियंत्रित करेगा।
- **वर्ष 2007** में **साइबर हमले** के बाद **एस्टोनिया लक्ज़मबर्ग** में अपने नागरिकों के डेटा की डिजिटल प्रति संग्रहीत करने वाला पहला देश था।
- **देश विदेशी डेटा विनियमों** का पालन किये **बिना डेटा को स्थानीयकृत करने** के लिये इन दूतावासों का उपयोग कर सकते हैं।
- डेटा एंबेसी की स्थापना से वैश्विक अस्थिरता के बीच डेटा भंडारण हेतु एक स्थिर क्षेत्र के रूप में भारत की **भू-राजनीतिक** विश्वसनीयता बढ़ेगी।

और पढ़ें: [डेटा सेंटरों के लिये वैश्विक केंद्र बनेगा भारत](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/data-embassies